एक नजर में

अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस पर बलून प्रतियोगिता में बच्चों ने लिया आनंद

भीकनगाव, निप्र। म, प्र राज्य आनंद संस्थान व जिला प्रशासन खरगोन के निर्देशानुसार नोडल अधिकारी आर,एन, शर्मा के नेतृत्व में जिले में अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस के उपलक्ष्य में भीकनगाव विकास खंड के आदिवासी अंचल के ग्राम ऊंटखेडा में आनंद क्लब साथियों के सहयोग से मनाया गया। जिला समन्वयक के, बी, मंसारे ने बताया कि संस्थान के निर्देश पर यह दिवस का मुख्य उद्देश्य है कि दुनिया के सारे लोग खुशहाल जीवन जिएं। आनंद की अनुभूति महसूस करें। इसी भाव से जिले में ग्रामीण जनों व बच्चों के बीच उक आयोजन किया गया। अमन चैन, स्नेह भाव और सभी के चेहरों पर मुस्कान हो, व्यक्ति स्वयं अनुभव करें। इस अवसर पर भूरेलाल वास्कले, गोरेलाल वास्कले, राजू, दिपक, पीयूष, शायरी बाई निर्मला, उमा, निशा, नव्या उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहार : 1 लाख 25 हजार ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

खरगोन, निप्र। जिले में नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त रोकने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार शुरु किया है। इस ऑपरेशन के तहत रात्रि गश्त के दौरान सनावद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो तस्करों को 1 लाख 25 हजार रुपए कीमत की 12.650 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों से एक बुलट बाईक भी जब्त की गई है। आरोपियों में रतलाम का सप्लायर भी शामिल है। इस सप्लायर से पूछताछ कर पुलिस इस नशीले कारोबार से जुड़े नेटवर्क में शामिल लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार रात्रि गश्त के दौरान अनाज मंडी सनावद क्षेत्र में आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पीरानपीर रोड़ पर एक बुलेट पर सवार दो व्यक्ति चेकिंग देख भागने लगे। शंका होने पर पीछा कर उन्हें पकड़ा। दोनों ने अपने नाम पवन पिता सदाशिव वर्मा निवासी वार्ड नंबर 12 नया मछली बाजार बड़वाह तथा दूसरे ने अपना नाम मोईन शेख पिता युसूफ शेख निवासी मिर्जा मोहल्ला सनावद का होना बताया। तलाशी लेने पर पवन एवं मोईन के पेंट की जेब से प्लास्टिक की थैली में पाउडर मिला। पूछने पर उन्होंने पाउडर को ब्राउन शुगर होना बताया। पवन के पास 9 ग्राम 120 मिलीग्राम एवं मोईन के पास 3 ग्राम 530 मिलीग्राम ब्राउन शुगर मिली। पुलिस रिमान्ड में आरोपी पवन ने उक्त ब्राउन शुगर को रतलाम निवासी आमिन खान उर्फ महाराज से खरीदना बताया। पुलिस ने आमिन पिता लियाकत खान निवासी बरबड जिनिंग फैक्ट्री के सामने रतलाम को अभिरक्षा में लिया। आमिन से भी कर कड़ी दर कड़ी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क एवं अन्य सप्लायर के संबंध में पूछताछ की जाएगी।

दिवंगत बसपा नेता बड़ोले की श्रद्धांजलि सभा में बांटे बुद्ध और अम्बेडकर के छायाचित्र

खरगोन, निप्र। निमाड़ मालवा में बसपा कि नींव रखने वाले पूर्व बसपा नेता एवं समाज सेवी दिवंगत भगवान बड़ोले कि श्रद्धांजलि सभा व पगड़ी रस्म के कार्यक्रम में उपस्थित मेहमानों को प्रचलित प्रथा से हटकर उनके पुत्र कपिल एवं आनंद बड़ोले द्वारा तथागत बुद्ध एवं डॉ. अम्बेडकर के छायाचित्र भेंट कर एक अनुकरणीय पहल कि गई, ज्ञात रहे श्री बड़ोले द्वारा शासकीय सेवा (शिक्षक) के पद से त्यागपत्र देकर लम्बे समय तक बहुजन आंदोलन कि अगुवाई कि एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहे, पिछले दिनों उनका हृदयघात से आकस्मिक निधन हो गया था, उनकी श्रद्धांजलि सभा में डॉ. चन्द्रजीत साँवले, शिवराम किरावर, प्रदीप करोंदिया,उदय रामटेके, संतोष पंचोले, शिवकरण अटोदे, संजीव कुमार, विजय कोचले, नरेन्द्र आर्य, रामेश्वर बड़ोले, नितेश आढ़तीया, दिलीप पंचोली, अवधेश अहिरवार एड .श्याम गांगले, राजेश बागदरे, विनोद आढ़तीया, किशोर छटिये, कमल मालसे, रोहित मनागरे, शैखर कोशल, यशवंत आढ़तिया, शेरूजी पगारे, गजानंद सावनेर, पवन भालसे, पंढरीनाथ सोहनी, प्रदीप गांगले, महेश केवड़े, मिथुन बगलाना, हरीश कुमरावत सहित बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उनके सामाजिक योगदान को याद किया।

श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज ने धूमधाम से मनाया गणगौर महोत्सव

खरगोन, निप्र। श्रीगौड़ ब्राह्मण समाजजनों ने रविवार को गणगौर उत्सव धूमधाम से मनाया। गौरी धाम स्थित देवयानी विश्रांति गृह में महिलाओं ने उत्साह के साथ पाती खेली। महिला मंडल अध्यक्ष इंदिरा मंडलोई ने बताया कि दुल्हन के रूप में स्वाति अनूप तिवारी और दूल्हे के रूप में योगिता धर्मेंद्र पंडित सजे। पाती का विशेष आकर्षण मंत्रोच्चार के साथ जयमाला की परपंरा रही। किरण त्रिवेदी, ज्योति दुबे, चंचला कानूनगो, स्वधा पंडित, सोनाली मंडलोई, निर्मला मंडलोई, अर्पिता जोशी, प्राची पंडित, वर्षा सराफ, कृपाली शर्मा आदि ने मंत्रोच्चार के साथ जयमाला की रस्म को पूर्ण कराया। समाज के संरक्षक और पूर्व विधायक रवि जोशी ने कहा कि गणगौर निमाड़ का महापर्व है। उन्होंने घोषणा करते हुए बताया कि समाज जनों की भावनाओं का सम्मान करते हुए सभी पदाधिकारियों ने निर्णय लिया है कि समाजजनों के सहयोग से अब हर वर्ष दिवाली पर अन्नकूट का भी आयोजन किया जाएगा। समाज अध्यक्ष जितेंद्र जोशी ने बताया कि रथ बौड़ाने की परम्परा को निभाते हुए इस वर्ष भी समाज की पंगत का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य यजमान पदमा हरिशंकर मंडलोई और रश्मि रवि मंडलोई रहे।

ग्रामवासियों की मंशानुरूप बन रहीं सड़कें : विधायक बिरला

मंजरा टोला सड़क योजना के तहत 42 सड़कों के प्रस्ताव शासन को भेजे

नवभारत न्यूज

सनावद, निप्र। बड़वाह विधानसभा के सनावद, बड़वाह और बेड़िया क्षेत्र के ग्रामवासियों की मंशानुरूप मुख्यमंत्री मंजरा टोला सड़क योजना के अंतर्गत 42 सड़कों के निर्माण के प्रस्ताव मप्र शासन को प्रेषित किए गए हैं।

विधायक सचिन बिरला ने बताया कि बड़वाह विधानसभा क्षेत्र के दौरे के समय सनावद, बड़वाह और बेड़िया ग्रामीण मंडलों के ग्रामवासियों ने सुचारु आवागमन के लिए सड़कों के निर्माण की आवश्यकता बताई है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने संपूर्ण प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और समृद्धि की नई इबारत लिखने के लिए मुख्यमंत्री मंजरा टोला सड़क योजना का क्रियान्वयन शुरू किया है। इस योजना के तहत वर्षों से सड़क निर्माण की बाट जोह रहे सुदूरवर्ती ग्रामवासियों का सड़कों का स्वप्न साकार होगा।

सनावद ग्रामीण मंडल की सड़कें:- विधायक ने बताया कि मंजरा टोला सड़क योजना के अंतर्गत सनावद ग्रामीण मंडल के ग्राम खेड़ी से इंदौर-इच्छापुर हाईवे तक 0.909 किमी,सताजना राहड़कोट रोड से कालबरड़ तक 0.66 किमी,इंदौर-इच्छापुर रोड से राप्या थाप्या बेड़ा तक 1.175 किमी,मोखनगांव से कान्हा गौशाला तक 0.759 किमी सड़क निर्माण का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है।

बड़वाह ग्रामीण मंडल की सड़कें:- विधायक ने बताया कि बड़वाह ग्रामीण मंडल के ग्राम सुलगांव रावत पलास्या रोड से नयापुरा तक 1.052 किमी,बड़वाह काटकूट रोड से खेड़ीहाट टांडा तक1.33 किमी,, रावत पलास्या से मठ पलास्या तक 2.037 किमी,जगतपुरा से खामखेड़ा तक 2.104 किमी, जगतपुरा से खामखेड़ा तक 2.104 किमी, सुलगांव से कांदी फाल्या तक 1.543 किमी,तरान्या से चारण मोहल्ला तक 0.374 किमी, गंगवाड़ा से दुधापुरा तक 1.527 किमी,सुलगांव रावत पलास्या रोड़ से फुरड़ा फाल्या तक 0.544 किमी, मुंडला रोड से बरगना तक 1.414 किमी, बरगना जिरात से बरगना दत्ता फाल्या तक 1.335 किमी, बारेला फाल्या से बारेला फाल्या नाले तक 0.194 किमी, इंदौर-इच्छापुर बायपास से नरसिंगपुरा तक 0.55 किमी, भेरूखेड़ा से नीमखेड़ा तक 1.495 किमी,बड़वाह टोकी रोड से फोकटपुरा तक 0.371 किमी एवं सोरठी बारूल से खारचा मोहल्ला तक 0.572 किमी सड़क निर्माण के प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं।

बेड़िया ग्रामीण मंडल की सड़कें

विधायक बिरला ने बताया कि बेड़िया ग्रामीण मंडल के हनुमान फाल्या से बरकन्या फाल्या तक 1.188 किमी, जामन्या लाछोरा रोड से बामनिया पुरा फाल्या तक 1.652 किमी, भुलगांव से नीमखेड़ी तक,भुलगांव से नई आबादी नीमखेड़ी तक 0.181किमी किमी, अंबा बाल्या रोड से पाल्या फाल्या तक 2.487 किमी, कातोरा सेल्दा रोड से बांडा बेड़ा तक 0.562 किमी, कातोरा सेल्दा रोड से गेहरू घाटी तक 1.636 किमी, बेड़िया सगड़ियांव रोड से नादला फाल्या तक 0.449 किमी, सनावद खरगोन रोड से भीलाला फाल्या तक 0.784 किमी, बेड़िया अतरसुम्बा रोड से पटेल फाल्या तक 0.653 किमी, सनावद खरगोन रोड से भूत माथनिया फाल्या तक 0.716 किमी,अंबा नलवट रोड से टंकी फाल्या तक 2.676 किमी, धन्या मेंबर फाल्या से नरिया फाल्या तक 1.3 किमी, जामन्या से बेड़ीपुरा तक 0.588 किमी, अंबा बाल्या रोड़ से रावत फाल्या तक 0.752 किमी, बेड़िया कसरावद रोड से भातुड़ तक 0.857 किमी, नलवट से चर्च लाल तलाई तक 1.653 किमी, बेड़िया अतरसुंबा रोड से बारेल्या फाल्या तक 0.781 किमी, बेड़िया सगड़ियांव रोड से टोपी मोहल्ला तक0.371 किमी,अंबा बाल्या रोड से बामनिया पुरा फाल्या तक 0.401 किमी,अंबा बाल्या रोड से टकारा बेड़ी तक 1.231 किमी,डालची सेल्दा रोड से ब्रम्हचारी फाल्या तक 0.66 किमी,अंबा बाल्या रोड से दांगी फाल्या तक 0.526 किमी, चितावद से बजरंग नगर तक 1.484 किमी सड़क निर्माण हेतु मप्र शासन को प्रस्ताव स्वीकृति हेतु भेजा गया है। विधायक ने कहा कि ये सड़कें वर्षों से उपेक्षित हैं इन सड़कों के निर्माण से न केवल आवागमन अपितु कृषि कार्यों में भी ग्रामवासियों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। विधायक ने मुख्यमंत्री से व्यापक जनहित में इन सड़कों को मुख्यमंत्री मंजरा टोला सड़क योजना के तहत मंजूरी देने की मांग की है।

महेश्वर में दसा श्रीमाली वैश्य समाज ने गणगौर पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

महेश्वर, निप्र। दसा श्रीमाली वैश्य समाज, महेश्वर द्वारा गंगौर पर्व बड़े ही धूमधाम और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं ने मिलकर 'फूल पाती' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें उत्साह और सांस्कृतिक रंगों की सुंदर झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम के अंतर्गत समाज की सभी महिलाओं एवं बच्चों ने दुल्हा-दुल्हन के रूप में सजकर आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीतों और नृत्य के माध्यम से गंगौर पर्व की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया गया। पूरे आयोजन में उत्साह, उमंग और सामूहिक सहभागिता का अद्भुत संगम देखने को मिला। महिलाओं ने एकजुट होकर कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया और आपसी स्नेह, सहयोग एवं भाईचारे का परिचय दिया। बच्चों की भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम के पश्चात सभी महिलाओं और बच्चों ने मिलकर कढ़ी-खिचड़ी एवं मिठाई का सहभोज किया, जिससे आपसी प्रेम और आत्मीयता की भावना और अधिक प्रगाढ़ हुई। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि समाज की एकता, परंपराओं का सम्मान और सामूहिक सहभागिता ही हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है। गंगौर जैसे पर्व हमें न केवल हमारी जड़ों से जोड़ते हैं, बल्कि आपसी सद्भाव, प्रेम और एकता का भी संदेश देते हैं।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महेश्वर इकाई के सदस्य शामिल

महेश्वर, निप्र। मां अहिल्या बाई की नगरी,मां नर्मदा के पावन तट पर हिन्दू नव वर्ष कि बेला में नार्मदीय ब्राह्मण समाज महासभा अध्यक्ष राजेश बडोले, महिला महासभा अध्यक्ष शितल मनीष डोगरे एवं युवा महासभा अध्यक्ष प्रबल भार्गव द्वारा संस्कृत पाठशाला नरसिंह मंदिर के आचार्य दिलीप सोहनी के मार्गदर्शन में मां नर्मदा का पूजन दुग्ध अभिषेक कर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की।

महेश्वर इकाई अध्यक्ष शंकर बिल्लौरे एवं पाठशाला प्राचार्य देवेन्द्र शास्त्री द्वारा तिनों महासभा अध्यक्ष तथा मंडलेश्वर, धामनोद, खरगोन, इन्दौर, कसरावद आदि इकाईयों से आये सदस्यों का स्वागत किया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में समाज की महेश्वर इकाई के सदस्यों को विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर सेवा का अवसर मिला। आचार्य परिषद् में पंडित दिलीप सोहनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शंकर बिल्लौरे, मंत्री हरिवल्लभ शास्त्री, अक्षय बडोले,सह सचिव जगदीश बडोले, चिकित्सा परामर्श एवं सलाह विभाग अजय जोशी, सदस्य व अन्य पदों पर अजय बिल्लौरे, विजय जोशी, नरेन्द्र झावरे, संदीप शर्मा पदभार दिया गया। महिला राष्ट्रीय कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलावती शर्मा, कोषाध्यक्ष मनीषा शास्त्री, इकाई प्रमुख शक्ति शास्त्री, मंत्री पिंकी जोशी, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ज्योति डोगरे, कार्यकारिणी सदस्य संगीता जोशी, पद्मा बिल्लौरे, को शामिल किया गया। युवा महासभा में उपाध्यक्ष राहुल बिल्लौरे, सदस्य आयुष झावरे, बालकृष्ण जोशी, जितेन्द्र जोशी को शामिल किया गया। इकाई के सदस्यों को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में प्रमुखता से शामिल करने पर धन्यवाद प्रेषित किया गया। समस्त समाज सदस्यों ने एवं अन्य समाजों के सदस्यों ने बधाईयां दी।

श्रीराम जन्मोत्सव मनेगा 26 को, धार्मिक अनुष्ठानों का चलेगा दौर

खरगोन, निप्र। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होती है, शोभायात्राएं निकाली जाती है। हालांकि इस बार नवमी तिथि दो दिन पडने से असमंजस की स्थिति बन गई है।

शहर में मंदिरों में 26 मार्च को ही रामनवमी मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। शहर में विद्वत परिषद् की बैठक विगत दिवस आयोजित की गई। इसमें धर्म सिंध, निर्णय सिंधु, मुहूर्त चिंतामणि, बालबोध ज्योतिष सार समुच्चय एवं पंचांगो का अध्ययन कर सर्वसम्मति यह निर्णय लिया गया कि संपूर्ण जिले में रामनवमी 26 मार्च गुरुवार को ही मनाई जाएगी। नगर के सभी प्रमुख राम मंदिरों ब्राह्मण पुरी स्थित श्री फकाजी राम मंदिर पुजारी पंडित श्रीराम भटोरे, गुरुदेव श्रीराम मंदिर भावसार मोहल्ला पुजारी पंडित बार्चे, झंडा चौक स्थित हजारी राम मंदिर, पुजारी पंडित संजय भट्ट, घास मंडी बीसा नीमा महाजन समाज

पंचायती ट्रस्ट श्रीराम मंदिर पुजारी पंडित रमाकांत परसाई, पहाड़सिंह पुरा, कलश चौक रघुवंशी समाज श्रीराम मंदिर पुजारी पंडित शांतिलाल जोशी, बस स्टैंड स्थित श्रीराम मंदिर पुजारी पंडित योगेश जोशी, इंद्र टेकड़ी श्रीश्री 1008 श्री पूर्णानंद बाबा तपस्थली एवं समाधि स्थल स्थित श्री राम मंदिर पुजारी पंडित सुधीर भट्ट, दारापुर बेडिय़ाव स्थित श्री राम मंदिर पुजारी पंडित जितेंद्र बडोले, श्री दाता हनुमान मंदिर पुजारी पंडित गोपाल जी जोशी, श्री नवग्रह मंदिर स्थित श्री राम दरबार पुजारी पंडित लोकेश जागीरदार, ग्राम उमर खली के पंडित दिलीप तारे, जामली के पंडित राहुल कानूनगो, रजुर के पंडित ललित बार्चे, कौशल बार्चे, मांगरूल के पंडित पंकज दुबे, पंडित केदार जोशी, टेमला के पंडित प्रवीण शर्मा, कुकड़ोल के पंडित लोकेंद्र तारे, महेश्वर पंडित दिलीप सोहनी, देवेंद्र शास्त्री, सुमित शुक्ला, गोविंद चतुर्वेदी, बड़वाह पंडित लक्ष्मी नारायण अत्रे, सनावद के पंडित सुनील शुक्ला एवं देवेंद्र पाठक सहित गोगावां, बमनाला, भीकनगांव के पंडितों ने भी 26 मार्च को रामनवमी मनाए जाने का निर्णय लिया है।

कलश चौक से निकलेगी शोभायात्रा:- श्री रघुवंशी समाज अध्यक्ष दीपक डंडीर ने बताया कलश चौक स्थित श्रीराम मंदिर में 26 मार्च को भक्तिभाव से आराध्य भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। यहां मंदिर से परंपरागत रुप से शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद दोपहर 12 बजे जन्मोत्सव आरती और महाप्रसादी का वितरण भी होगा। इसी तरह श्री रामजन्मोत्सव समिति व गौ रक्षक तालाब चौक संगठन 27 मार्च को भव्य शोभायात्रा निकाले जाने की तैयारियां कर रहा है। संगठन अध्यक्ष अनिल गुप्ता व संरक्षण सतीश राठौड़ ने बताया कि 27 मार्च को श्रीराम जन्मोत्सव पर दोपहर 2 बजे भोला चौक से महाआरती के बाद पारंपरिक मार्ग से शुरू होगी। बस स्टैंड स्थित श्रीराम मंदिर धर्मशाला पहुंचकर विराम लेगी। शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता, वीर हनुमान जी की मनमोहक झांकियों के साथ-साथ धार्मिक और सामाजिक संदेश देने वाली कई भव्य झांकियां शामिल होंगी, जो आकर्षण का केंद्र रहेंगी। बुराहनपुर की प्रसिद्ध ढोल नगाड़ा पार्टी शामिल होगी।

माताजी के रथों का कारवां शुरु हो गया मन्नतों का दौर

खरगोन, निप्र। गणगौर उत्सव के दूसरे दिन श्रृंगारित रथो का चल समारोह निकाला गया। श्रद्धालू माता रथों को रविवार देरशाम घाट पर भ्रमण के लिए ले गए, यहां से मन्नतधारी परिवार मान. मनुहार कर माता को अपने घर लाए।

गणगौर घाट पर माताजी का विशेष पूजन-अर्चन किया गया। यहां कुछ देर रुकने के बाद माता को पानी पिलाकर, यहां से मन्नत वाले श्रद्धालुओं द्वारा रथ बौड़ाकर माता की मनुहार कर उन्हें बेटी की तरह घर लाया गया। इसे निमाड़ में रथ बौड़ाना कहा जाता है। प्रसिद्ध गणगौर पर्व को लेकर प्रशासन के साथ ही नागरिको द्वारा विशेष तैयारियां की गई है। नदी तटो पर साफ. सफाई के साथ ही पर्याप्त प्रकाश व्यवस्थाएं की गई है। शाम को शहर के माता चौक आकर्षक दूधिया रोशनी से सराबोर होकर मानो रणुबाई और धणियर राजा की अगुवाई कर रहे हो। ढोल-तांशों की धून और धार्मिक गीतों के बीच श्रद्धालु रथों को लेकर माता चौक पर पहुंचे। जहां एकत्रित हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से माता की पूजा-अर्चना कर प्रसादी स्वरूप तमोल (धानी) चढ़ाकर आराधना की। इस दौरान माता चौक पर मेले सा माहौल नजर आया। बच्चे, बुढ़े, महिलाएं, पुरूष, युवक, युवतीयां माता की भक्ति में लीन नजर आए।

एक नजर में

बाड़ी स्थलों से श्रद्धालु जवारे अपने घर रथ सजाकर ले गए

110 वर्ष पुरानी बाड़ी के खुले पट, दर्शन-पूजन के लिए उमड़े श्रद्धालु

नवभारत न्यूज

बड़वाह, निप्र। ग्रामीण क्षेत्र के बड़ेल में शनिवार को गणगौर माता की बाड़ी खुलते ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बाड़ी स्थलों से श्रद्धालु जवारे अपने घर रथ सजाकर ले गए। रात में भजन और नृत्य कर जागरण किया। कई परिवार मन्नत के चलते रथों को बौडाएंगे। एक दिन रोकने के बाद इन्हे विदा किया जाएगा।

बड़ेल में 110 वर्ष पुरानी परंपरा:- गांव के पटेल बाड़ी स्थल के मोतीलाल पटेल ने बताया कि उनके घर में करीब 110 वर्षों से गणगौर माता के जवारों को बोने की परंपरा है। इसका निर्वाह आज भी परिवार द्वारा पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ किया जा रहा है। हमारी

ये पाँचवी पीढ़ी है जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को स्थानान्तरित हो रही परंपराएं हो रही है। बाड़ी खुलने पर कई परिवारों में माता के रथों के बौड़ाने का कार्यक्रम होगा।

वैदिक नहीं लौकिक भावों से होती है पूजा:- पंडित संदीप शर्मा बताते है कि, चैत्र नवरात्रि में गणगौर शिव और माता पार्वती की आराधना का एक अनूठा पर्व है। यहां गण का अर्थ शिव और गौर का अर्थ गौरा से है। इस पर्व के दौरान किसी तरह के मंत्रोच्चार का उपयोग नहीं होता। बल्कि, लौकिक भावों से शिव-गौरा की आराधना की जाती है। हालांकि, इसमें भी विधि होती है लेकिन वह लोक बोली में होती है।

मन्नधारी लोग बोड़ाते है रथ:- इन्हीं रस्मों में रथ बोड़ाने की भी एक रस्म है। ज्योतिषी बताते है कि, जिस तरह बेटी विवाह के मायके आती है और फिर वापस जाती है तो उसे और कुछ दिन रुकने का आग्रह किया जाता है। ठीक उसी प्रकार मन्नतधारी लोग जलाशयक पर विसर्जन के लिए गए रथों को बोड़कर अपने घर ले जाते है! राजकुमार परिहार ने बताया है कि उनके यहाँ पर रथ बोड़ाने का आयोजन किया जायेगा! जहां उनकी खूब सेवा चाकरी की जाती है। बोड़ाने की यह परंपरा एक से दो दिनों तक निभाई जाती है।

प्रकृति पूजा का प्रतीक:- निमाड़ में गणगौर को प्रकृति की पूजा का प्रतीक माना जाता है। ज्वारे बोना इस बात को दर्शाता है कि मनुष्य अपनी आजीविका के लिए धरती और प्रकृ पर निर्भर है। यह पूरी प्रक्रिया प्रकृति के सृजन, पालन और विसर्जन के चक्र को दर्शाती है।

गोबर खाद का उपयोग:- बाड़ी की मिट्टी में विशेष रूप से गोबर की खाद मिलाई जाती है, जिससे ज्वारों का अंकुरण बेहतर होता है। यह भी किसानों के लिए एक संकेत होता था कि मिट्टी कितनी उपजाऊ है।

महिलाओं की आस्था से जुड़ी परंपरा

महिलाएं इस बाड़ी को अपने परिवार की सुख-समृद्धि और पति की लंबी उम्र के लिए बोती हैं। ज्वारों को माता पार्वती (गौरी) का रूप मानकर पूजा जाता है। निमाड़ क्षेत्र में गणगौर पर्व की यह परंपरा आज भी उतनी ही जीवंत है, जो यह दर्शाती है कि हमारी संस्कृति में आस्था के साथ-साथ विज्ञान और प्रकृति का गहरा संबंध रहा है।